कानपुर तथा वाराणसी में पुलिस कमिश्नर प्रणाली लागू, एडीजी असीम अ

किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज 25 से 30% ही उपलब्ध: डॉक्टर सी.वी. गंगवार

RIO NEWS24 10 hours ago कृषि, समाचार

कानपुर देहात। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में बीज प्रौद्योगिकी शोध परियोजना के अंतर्गत किसानों की आय दोगुनी करने के लिए गुणवत्तायुक्त बीज उत्पादन के महत्व विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कृषक गोष्ठी के दौरान प्रभारी अधिकारी एसटीआर योजना, डॉक्टर सी.वी. गंगवार ने बताया कि केवल गुणवत्तायुक्त बीज के प्रयोग से ही 20% तक उपज आसानी से बढ़ सकती है। जबकि किसानों को गुणवत्तायुक्त बीज 25 से 30% ही उपलब्ध हो पा रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वह स्वयं के गुणवत्तायुक्त बीज उत्पाद करें। जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि बुवाई के पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण करना नितांत आवश्यक है।

इस अवसर पर बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष ने बीजों को रोग रहित करने तथा उनके प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी इस अवसर पर डॉ अशोक कुमार, डॉ जितेंद्र कुमार, डॉ यू.डी. अवस्थी, डॉ मनोज कटियार आदि वैज्ञानिकों ने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसानों सहित कृषक महिलाएं भी उपस्थित रहे।

News Expert
9 hrs · Facebook for Android ·

बुवाई के पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण करना नितांत आवश्यक
कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में बीज प्रौद्योगिकी शोध परियोजना के अंतर्गत किसानों की आय दोगुनी करने के लिए गुणता बीज उत्पादन के महत्व विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कृषक गोष्ठी के दौरान प्रभारी अधिकारी एस टी आर योजना डॉक्टर सीवी गंगवार ने बताया कि केवल गुणता बीज के प्रयोग से ही 20% तक उपज आसानी से बढ़ सकती है। जबकि कृषकों को गुणता बीज 25 से 30% ही उपलब्ध हो पा रहे हैं। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वह स्वयं के गुणता बीज उत्पाद करें जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि बुवाई के पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण करना नितांत आवश्यक है। इस अवसर पर बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष ने बीजों को रोग रहित करने तथा उनके प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी इस अवसर पर डॉ अशोक कुमार, डॉ जितेंद्र कुमार, डॉ यू डी अवस्थी,डॉ मनोज कटिया आदि वैज्ञानिकों ने अपने अपने व्याख्यान दिए। इस अवसर पर गांव के प्रगतिशील किसानों सहित कृषक महिलाएं भी उपस्थित रहे। (डॉ खलील खान), मीडिया प्रभारी, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर।

27 march_jan express.pdf - Read-only

जन एक्सप्रेस

@janexpressliive

लखनऊ, शनिवार, 27 मार्च, 2021 वर्ष : 12, अंक : 164, पृष्ठ : 12, मूल्य ₹3.00/-

www.janexpressliive.com/epaper

एक नजर में...

कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जन एक्सप्रेस/कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में बीज प्रौद्योगिकी शोध परियोजना के अंतर्गत गुणता बीज उत्पादन के महत्व विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना रहा। इस अवसर पर प्रभारी अधिकारी एस.टी.आर.योजना डॉ.सी.वी. गंगवार ने बताया कि किसानों को गुणता बीज 25 से 30 फीसदी ही उपलब्ध हो पा रहे हैं जबकि केवल गुणवत्ता बीज के प्रयोग से ही 20 फीसदी उपज बढ़ाई जा सकती है उन्होंने किसानों से स्वयं के गुणता बीज उत्पाद करने की बात कही जिससे कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त किया जा सके। उन्होंने कहा कि बुवाई के पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण करना आवश्यक है। बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष ने बीजों को रोग रहित करने तथा उनके प्रबंधन पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ.अशोक कुमार, डॉ.जितेंद्र कुमार, डॉ.यू. डी.अवस्थी,डॉ.मनोज कटियार आदि वैज्ञानिकों द्वारा व्याख्यान दिए गए।

आज
कानपुर
27 मार्च, 2021
5

बुवाई से पूर्व बीजों का अंकुरण परीक्षण आवश्यक

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय की ओर से गोद लिये गये जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में बीज प्रौद्योगिकी शोध परियोजनाओं के अन्तर्गत किसानों की आय दोगुनी करने के लिए गुणवत्ता युक्त बीज उत्पादन के महत्व विषय पर एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए प्रभारी अधिकारी एसटीआर योजा के वैज्ञानिक डा. सी.वी. गंगवार ने कहाकि केवल गुणवत्ता बीज के प्र योग से ही 20 फीसदी तक उपज आसानी से बढ़ा सकते है। जबकि कृषकों को गुणता बीज 25 से 30 प्रतिशत ही उपलब्ध हो पा रहे है। उन्होंने कहाकि बुवाई के पूर्व बीजों का अंकुरम परीक्षण करना नितांत आवश्यक है। बीज विज्ञान प्रौद्योगिकी विभाग के विभागाध्यक्ष ने बीजों को रोग रहित करने तथा उनके प्र बंधन पर विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर डा. अशोक कुमार, डा. जितेंद्र कुमार भी मौजूद रही।